सत्यमेव जयते
राष्ट्रीय जैविक संस्थान, नोएडा
(एनसीसी– एचवीपीआई)
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार

हीमोविजिलेंस समाचार–पत्रक

खंड क्रमांक: 14, अंक: 27, जनवरी– जून, 2026



राष्ट्रीय जैविक संस्थान (एनआईबी), नोएडा द्वारा 11–12 दिसंबर, 2025 को एनआईबी परिसर में आयोजित भारतीय हीमोविजिलेंस कार्यक्रम (Haemovigilance Programme of India) के अंतर्गत रिपोर्टिंग रक्त केंद्र अधिकारियों के लिए दो–दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण कार्यशाला।

03 भारतीय हीमोविजिलेंस कार्यक्रम–प्रमुख उपलब्धियाँ

04 एनआईबी द्वारा सहयोगात्मक सीएमई

06 राष्ट्रीय जैविक संस्थान (एनआईबी) द्वारा आयोजित दो–दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण

09 स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार अभियान

"समाचार– पत्रक का उद्देश्य भारतीय हीमोविजिलेंस कार्यक्रम की जानकारी का प्रचार– प्रसार करना है ताकि स्वास्थ्य पेशेवरों एवं अन्य हितधारकों के बीच सुरक्षित रक्त आधान और रक्तदान की प्रक्रियाओं के प्रति जागरूकता उत्पन्न की जा सके।"

संपादक

डॉ. आकांक्षा विष्ट,
वैज्ञानिक ग्रेड – I एवं प्रमुख, भारतीय हीमोविजिलेंस कार्यक्रम (एचवीपीआई), राष्ट्रीय जैविक संस्थान, नोएडा

संपादक मंडल

1. प्रो. (डॉ.) रवनीत कौर,
प्रमुख, ट्रांसफ्यूजन मेडिसिन विभाग, राजकीय चिकित्सा माहविद्यालय एवं अस्पताल , चंडीगढ़
2. डॉ. संगीता पाठक,
निदेशक और प्रमुख – ट्रांसफ्यूजन मेडिसिन, मैक्स सुपर स्पैशलिटी अस्पताल, नई दिल्ली
3. डॉ. राजेश कुमार शर्मा,
वैज्ञानिक ग्रेड – III, राष्ट्रीय जैविक संस्थान, नोएडा

विशेषज्ञ समीक्षक

1. डॉ. नीलम मारवाह,
पूर्व प्रोफेसर एवं प्रमुख, ट्रांसफ्यूजन मेडिसिन विभाग, पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल एज्युकेशन एंड रिसर्च, चंडीगढ़
2. प्रो. (डॉ.) जयश्री शर्मा,
प्रमुख, ट्रांसफ्यूजन मेडिसिन विभाग, सेठ जी. एस. मेडिकल कॉलेज एंड केइएम अस्पताल, मुंबई, महाराष्ट्र
3. प्रो. (डॉ.) यू. बी. मिश्रा,
हेड प्रिंसिपल हॉस्पिटल एडमिनिस्ट्रेशन, हिंद इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस, सीतापुर, लखनऊ
4. डॉ. यू. सी. दत्ता,
निदेशक ब्लड बैंक, रहमान हॉस्पिटल्स प्रा. लिमिटेड, गुवाहाटी, आसाम
5. डॉ. सी. शिवराम,
सलाहकार एवं प्रमुख, ट्रांसफ्यूजन मेडिसिन, मणिपाल हॉस्पिटल्स, बैंगलोर
6. डॉ. संगीता पाहुजा सिंधवानी,
प्रोफेसर एवं प्रमुख, इम्यूनोहेमेटोलॉजी और रक्त आधान विभाग, लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज और एसोसिएटेड अस्पताल, नई दिल्ली
7. डॉ. जी. सेल्वराज,
पूर्व निदेशक, औषधि नियंत्रक, तमिलनाडु
8. डॉ. इरफाना निखत,
सलाहकार एवं प्रमुख, सिंधु हॉस्पिटल्स ब्लड सेंटर, हैदराबाद
9. प्रो. (डॉ.) शामी शास्त्री
प्रमुख, इम्यूनोहेमेटोलॉजी और रक्त आधान विभाग, केएमसी, मणिपाल विश्वविद्यालय, मणिपाल
10. डॉ. राहुल कथारिया,
प्रोफेसर एवं प्रमुख, ट्रांसफ्यूजन मेडिसिन, अमृता इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस, फरीदाबाद

विषय वस्तु– तालिका

भारतीय हीमोविजिलेंस कार्यक्रम – प्रमुख उपलब्धियां	3
एनआईबी द्वारा सहयोगात्मक सीएमई	4
रिपोर्टिंग रक्त केंद्र अधिकारियों के लिए दो–दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण कार्यशाला	6
स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार अभियान	9
एचवीपीआई के अंतर्गत नए सदस्यों का नामांकन	10
एचवीपीआई के अंतर्गत केंद्र के पंजीकरण की प्रक्रिया	15

भारतीय हीमोविजिलेंस कार्यक्रम – प्रमुख उपलब्धियां

राष्ट्रीय जैविक संस्थान (एनआईबी), नोएडा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार राष्ट्रीय समन्वयक केंद्र (एनसीसी) के रूप में भारतीय हीमोविजिलेंस कार्यक्रम राष्ट्रीय स्तर पर 10 दिसंबर, 2012 को देश में फैले 90 चिकित्सा संस्थानों में शुभारंभ किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य रक्त आधान और रक्तदान से संबंधित प्रतिकूल प्रतिक्रियाओं का पता लगाना है।

हीमोविजिलेंस को रक्त के एकत्रीकरण से उसके संगठकों की प्राप्तकर्ता के साथ अनुवर्ती कार्रवाई अर्थात रक्तदाता की नसों से प्राप्तकर्ता की नसों तक पहुँचाने की सम्पूर्ण आधान शृंखला की जांच प्रतिक्रियाओं के एक सेट के तौर पर परिभाषित किया जाता है। इसमें कोशिश रहती है कि अस्थिर रक्त उत्पाद के चिकित्सीय उपयोग के परिणामस्वरूप उत्पन्न अनचाहे या अवांछनीय प्रभावों के संबंध में जानकारी एकत्र और उसका आकलन कर उनकी उपस्थिति एवं पुनरावृत्ति रोकी जाए। हीमोविजिलेंस रक्त आधान श्रृंखला की गुणवत्ता में सुधार करने का एक साधन है, जो मुख्य रूप से सुरक्षा पर केंद्रित है।

1. प्राप्तकर्ता– तंत्र अर्थात रोगी में रक्त आधान की प्रतिकूल प्रतिक्रियाओं की रिपोर्टिंग को भारतीय हीमोविजिलेंस कार्यक्रम (एचवीपीआई) में शामिल किया गया। जिसे देश में 10 दिसंबर 2012 को प्रारंभ किया गया था।
2. दाता तंत्र अर्थात रक्त दान सर संबंधित प्रतिकूल प्रतिक्रियाओं की रिपोर्टिंग को राष्ट्रीय रक्त दाता विजिलेंस कार्यक्रम (एनबीडीवीपी) में शामिल किया गया। जिसे एचवीपीआई के तत्वावधान में 14 जून 2015 को विज्ञान नगरी, कोलकाता में विश्व रक्तदाता दिवस को प्रारंभ किया गया था।
3. राष्ट्रीय जैविक संस्थान की वेबसाइट www.nib.gov.in में प्रतिकूल आधान प्रतिक्रियाओं की रिपोर्टिंग ऑनलाइन हीमो–विजिल सॉफ्टवेयर के द्वारा और प्रतिकूल रक्त दाता प्रतिक्रियाओं की रिपोर्टिंग डोनर– विजिल सॉफ्टवेयर के द्वारा की जाती है।

सचिव, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण एवं अध्यक्ष, शासीनिकाय (गवर्निंग बॉडी)– एनआईबी में 12 दिसंबर 2014 को आयोजित राष्ट्रीय जैविक संस्थान (एनआईबी) की गवर्निंग बॉडी की बैठक में संस्थान की अपनी उप– विधि 3.4.1 के अनुसार, राष्ट्रीय जैविक संस्थान को भारतीय हीमोविजिलेंस कार्यक्रम के क्रियान्वयन एवं समन्वयन के लिए एक अधिदेश (मेंडेट) के तौर पर अनुमोदित किया गया है।

डीसीजी (आई) ने एचवीपीआई के अंतर्गत सभी लाइसेंस प्राप्त रक्त केंद्रों के नामांकन के लिए 4 दिसंबर, 2015 को कार्यालय ज्ञापन जारी किया। इन लाइसेंस प्राप्त रक्त केंद्रों को एचवीपीआई के तहत हीमो– विजिल सॉफ्टवेयर को अपने प्रतिकूल ट्रांसफ्यूजन डेटा को ऑपलिंक करने के लिए एनआईबी से अपनी उपयोगकर्ता आईडी और पासवर्ड प्राप्त करना होता है।

नेशनल एक्रिडिटेशन बोर्ड फॉर हॉस्पिटल्स एंड हेल्थकेयर प्रोवाईडर्स (एनएबीएच) ने वर्ष 2016 में जारी रक्त केंद्रों और आधान सेवाओं के एक्रिडिटेशन स्टैंडर्ड के अपने तीसरे संस्करण में भारतीय राष्ट्रीय हीमोविजिलेंस कार्यक्रम के अंतर्गत रक्त केंद्रों द्वारा नामांकन को शामिल किया है और जारी निर्देशों के अनुसार, प्रतिकूल रक्तदाता प्रतिक्रियाओं और प्रतिकूल आधान प्रतिक्रियाओं को मॉनिटर करने को कहा गया है।

एनसीसी– एचवीपीआई, एनआईबी भारतीय हीमोविजिलेंस कार्यक्रम के अधीन सक्रियता से रिपोर्टिंग करने वाले केंद्रों को प्रमाणपत्र जारी करता है।

भारतीय हीमोविजिलेंस कार्यक्रम के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए राष्ट्रीय जैविक संस्थान (एनआईबी) द्वारा सहयोगात्मक सीएमई का आयोजन

राष्ट्रीय जैविक संस्थान (एनआईबी) का भारतीय हीमोविजिलेंस कार्यक्रम (एचवीपीआई) प्रभाग देशभर में रक्त सुरक्षा प्रणाली को सुदृढ़ बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। यह प्रभाग देश के विभिन्न चिकित्सा महाविद्यालयों, अस्पतालों तथा रक्त केंद्रों के साथ सक्रिय एवं नियमित सहयोग के माध्यम से सतत चिकित्सा शिक्षा (सीएमई) कार्यक्रमों का संयुक्त रूप से आयोजन करता है। इन कार्यक्रमों का उद्देश्य हीमोविजिलेंस, रक्त दाता सुरक्षा तथा रोगी सुरक्षा से संबंधित सर्वोत्तम प्रथाओं को बढ़ावा देना और उनके प्रति जागरूकता उत्पन्न करना है।

मुख्य उद्देश्य

इन सतत चिकित्सा शिक्षा (सीएमई) कार्यक्रमों का मुख्य उद्देश्य रक्त केंद्रों एवं रक्ताधान सेवाओं में कार्यरत चिकित्सकों, नैदानिक विशेषज्ञों, नर्सों तथा तकनीकी कर्मियों के बीच भारतीय हीमोविजिलेंस कार्यक्रम (एचवीपीआई) के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। इन पहलों को निम्नलिखित उद्देश्यों की पूर्ति हेतु तैयार किया गया है:

- हीमोविजिलेंस के सिद्धांतों एवं नियामक ढाँचों की समझ को सुदृढ़ करना।
- रक्ताधान–संबंधी तथा रक्तदाता–संबंधी प्रतिकूल प्रतिक्रियाओं की रिपोर्टिंग में सुधार करना।
- रोगी एवं रक्तदाता सुरक्षा प्रोटोकॉल को सुदृढ़ करना।
- रक्त केंद्रों को एचवीपीआई के अंतर्गत नामांकित होने तथा प्रतिकूल प्रतिक्रियाओं की रिपोर्टिंग में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करना।
- दस्तावेजीकरण की सटीकता को बढ़ावा देना तथा रिपोर्टिंग प्रणालियों में आने वाली व्यावहारिक चुनौतियों का समाधान करना।

संरचित प्रशिक्षण एवं ज्ञान के आदान–प्रदान को प्रोत्साहित करके, ये सीएमई कार्यक्रम रक्ताधान–संबंधी जोखिमों की निगरानी, विश्लेषण तथा उन्हें कम करने के राष्ट्रीय प्रयासों को सुदृढ़ करते हैं। ये वैश्विक मानकों एवं राष्ट्रीय नियामक आवश्यकताओं के अनुरूप हैं, जिससे बेहतर नैदानिक परिणाम, प्रभावी नीति कार्यान्वयन, आपूर्ति श्रृंखला की दक्षता तथा आपातकालीन तैयारी को बढ़ावा मिलता है।

विशेषज्ञों की सहभागिता एवं ज्ञान साझा करना

वरिष्ठ चिकित्सक, रक्ताधान चिकित्सा विशेषज्ञ, नैदानिक चिकित्सक तथा नियामक विशेषज्ञ इन सीएमई कार्यक्रमों में सक्रिय रूप से भाग लेते हैं। वे संस्थागत एवं राष्ट्रीय स्तर पर हीमोविजिलेंस प्रणाली को सुदृढ़ बनाने हेतु अपने व्यावहारिक अनुभव, केस अध्ययन, नियामक दृष्टिकोण तथा सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करते हैं। ये संवाद रक्त केंद्र के कर्मियों एवं स्वास्थ्य सेवा पेशेवरों के लिए मूल्यवान शिक्षण अवसर प्रदान करते हैं।

सीएमई सत्रों में शामिल प्रमुख विषय

सीएमई सत्रों में सामान्यतः निम्नलिखित विषयों पर व्याख्यान एवं चर्चाएँ शामिल होती हैं:

- भारतीय हीमोविजिलेंस कार्यक्रम(एचवीपीआई) के उद्देश्य, लक्ष्यों, रूपरेखा एवं अद्यतन जानकारी
- भारत में रक्त केंद्रों का विनियमन
- दस्तावेजीकरण मानक एवं अनुपालन आवश्यकताएँ
- राष्ट्रीय रक्ताधान (Recipient) एवं रक्तदाता (Donor) हीमोविजिलेंस आँकड़े: विश्लेषण एवं अनुशंसाएँ
- रक्त एवं रक्त अवयवों का तर्कसंगत उपयोग
- रक्ताधान से होने वाली प्रतिकूल प्रतिक्रियाएँ तथा उनकी रोकथाम की रणनीतियाँ
- रक्तदाता सतर्कता (Donor Vigilance) एवं रिपोर्टिंग तंत्र

निरंतर सहभागिता एवं क्षमता–विकास प्रयासों के माध्यम से, एनआईबी का हीमोविजिलेंस प्रभाग भारत में रक्त दाता रक्ताधान सुरक्षा को सुदृढ़ करने तथा राष्ट्रीय हीमोविजिलेंस नेटवर्क को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता रहा है।

1. हीमोविजिलेंस द्वारा सीएमई कार्यक्रम का आयोजन 29 अगस्त 2025 को डॉ. पिन्नामनेनी सिद्धार्थ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज एंड रिसर्च फाउंडेशन (SIMS&RF), विजयवाड़ा, कृष्णा जिला, आंध्र प्रदेश में, डॉ. पिन्नामनेनी सिद्धार्थ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज एंड रिसर्च फाउंडेशन, कृष्णा और द्वारा राष्ट्रीय जैविक संस्थान (एनआईबी), नोएडा के सहयोग से किया गया।

- उक्त सीएमई कार्यक्रम में लगभग 200 प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिनमें रक्त केंद्र के अधिकारी, चिकित्सक, वरिष्ठ नर्सिंग अधिकारी, नर्सिंग अधिकारी तथा प्रयोगशाला तकनीशियन शामिल थे।



2. रक्तदाता, रक्ताधान, प्रक्रिया एवं उत्पाद हीमोविजिलेंस विषय पर सीएमई कार्यक्रम का संयुक्त रूप से आयोजन 11 अक्टूबर 2025 को मणिपाल हॉस्पिटल, बेंगलुरु, कर्नाटक में मणिपाल हॉस्पिटल, बेंगलुरु, कर्नाटक एवं राष्ट्रीय जैविक संस्थान (एनआईबी), नोएडा द्वारा किया गया।

- उक्त सीएमई कार्यक्रम में लगभग 100 प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिनमें रक्त केंद्र के अधिकारी, चिकित्सक, नर्सिंग अधिकारी तथा प्रयोगशाला तकनीशियन शामिल थे।



राष्ट्रीय जैविक संस्थान (एनआईबी), नोएडा द्वारा 11–12 दिसंबर, 2025 को एनआईबी परिसर में भारतीय हीमोविजिलेंस कार्यक्रम के अंतर्गत रक्त केंद्र अधिकारियों के लिए रिपोर्टिंग हेतु दो–दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित की गई।

दो दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण कार्यशाला, भारतीय हीमोविजिलेंस कार्यक्रम (एचवीपीआई) की एक सतत पहल है, जिसे कार्यक्रम के अंतर्गत सक्रिय रूप से रिपोर्टिंग करने वाले केंद्रों के लिए आयोजित किया जाता है। इन कार्यशालाओं का आयोजन समय–समय पर राष्ट्रीय हीमोविजिलेंस प्रणाली को सुदृढ़ करने तथा सहभागी रक्त केंद्रों में रिपोर्टिंग की गुणवत्ता को बेहतर बनाने के उद्देश्य से किया जाता है।

यह आवासीय कार्यशाला एक सुव्यवस्थित एवं व्यापक प्रशिक्षण कार्यक्रम है। इसका मुख्य केंद्रबिंदु राष्ट्रीय समन्वय केंद्र–हीमोविजिलेंस प्रोग्राम ऑफ इंडिया (एनसीसी–एचवीपीआई) को प्रस्तुत किए जाने वाले डेटा की गुणवत्ता पर चर्चा करना है। सत्रों का संचालन रक्ताधान चिकित्सा के प्रतिष्ठित वक्ताओं एवं विशेषज्ञों द्वारा किया जाता है। कार्यक्रम में इंटरैक्टिव केस स्टडी चर्चाएँ, समूह गतिविधियाँ तथा विशेषज्ञ–प्रतिभागी संवाद भी शामिल होते हैं। दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य एचवीपीआई के अंतर्गत रिपोर्टिंग करने वाले रक्त केंद्रों के अधिकारियों को रक्ताधान से होने वाली प्रतिकूल प्रतिक्रियाओं एवं रक्तदाता प्रतिक्रियाओं की रिपोर्टिंग से संबंधित नवीनतम अद्यतन, परिभाषाओं, दिशानिर्देशों तथा सर्वोत्तम प्रथाओं के प्रति जागरूक एवं प्रशिक्षित करना है। कार्यक्रम के अंतर्गत प्रस्तुत किए जाने वाले डेटा की सटीकता, पूर्णता एवं समग्र गुणवत्ता में सुधार पर विशेष बल दिया जाता है। यह कार्यशाला रक्त केंद्रों के बीच नेटवर्किंग, सहयोग एवं सर्वोत्तम प्रथाओं के आदान–प्रदान के लिए भी एक महत्वपूर्ण मंच प्रदान करती है।

उक्त प्रशिक्षण कार्यशाला में देश के 14 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों से लगभग 35 प्रतिभागियों, जिनमें रक्त केन्द्रो के अधिकारी, तकनीशियन एवं तकनीकी कर्मचारी शामिल थे, तथा 05 विशेषज्ञों ने भाग लिया।

पंजीकरण



दीप प्रज्ज्वलन



प्रथम दिवस

- भारतीय हीमोविजिलेंस कार्यक्रम (एचवीपीआई)–एक अवलोकन एवं अद्यतन जानकारी।
- रक्ताधान प्रतिक्रियाओं का वर्गीकरण एवं जाँच–प्रक्रिया।
- फेब्राइल नॉन–हीमोलिटिक ट्रांसफ्यूजन रिएक्शन्स (FNHTR) एवं एलर्जिक प्रतिक्रियाएँ–परिभाषाएँ, ग्रेडिंग, कारण–संबद्धता (Imputability) तथा इसके उपरांत केस चर्चाएँ।
- हीमोलिटिक ट्रांसफ्यूजन रिएक्शन – केस/रिपोर्ट पर चर्चा।
- हृदय–श्वसन (Cardiorespiratory) लक्षणों से संबंधित प्रतिकूल घटनाओं का परिचय, इसके उपरांत ट्रांसफ्यूजन–संबंधी तीव्र फेफड़ा क्षति (TRALI), ट्रांसफ्यूजन–संबंधी परिसंचरण अधिभार (TACO), ट्रांसफ्यूजन–संबंधी श्वसन कष्ट (TAD) तथा हाइपोटेंसिव ट्रांसफ्यूजन रिएक्शन की केस/रिपोर्ट पर चर्चाएँ।






द्वितीय दिवस

- भारत में रक्तदाता सतर्कता (Donor Vigilance): परिचय एवं इसके कार्यान्वयन के प्रारंभिक वर्षों के अनुभव।
- रक्तदाता की प्रतिकूल प्रतिक्रियाएँ: वर्गीकरण एवं परिभाषाएँ
- रक्तदाता की प्रतिकूल प्रतिक्रियाओं में गंभीरता के मूल्यांकन हेतु ग्रेडिंग उपकरण।
- केस चर्चा: रक्तदाता की स्थानीयकृत (Localized) प्रतिकूल प्रतिक्रियाएँ।
- वेसोवैगल प्रतिक्रियाएँ (Vasovagal Reactions): केस–आधारित दृष्टिकोण एवं रोकथाम की रणनीतियाँ।
- भारतीय फार्माकोपिया (Indian Pharmacopoeia) के आगामी संस्करण में रक्त एवं रक्त अवयवों से संबंधित मोनोग्राफ।








समूह फोटो

भारतीय हीमोविजिलेंस कार्यक्रम (एचवीपीआई) के अंतर्गत संस्थागत प्रतिनिधित्व

- प्रमुख एचवीपीआई ने 31 जुलाई 2025 को पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ चाइल्ड हेल्थ (PGICH), नोएडा में आयोजित 10वें मिडटर्म PHO CME 2025 कार्यशाला में "थैलेसीमिया में रक्ताधान संबंधी महत्वपूर्ण पहलू (Transfusion Matters in Thalassemia)" विषय पर एक सत्र की अध्यक्षता की।







प्रथम दिवस



- <u>इंडियन सोसाइटी ऑफ ब्लड ट्रांसफ्यूजन एंड इम्यूनोहीमैटोलॉजी (ISBTI) के साथ साझेदारीः–</u>

इंडियन सोसाइटी ऑफ ब्लड ट्रांसफ्यूजन एंड इम्यूनोहीमैटोलॉजी (ISBTI) के सहयोग से, राष्ट्रीय जैविक संस्थान (एनआईबी) ने 19 से 21 सितम्बर 2025 तक गुरुग्राम, हरियाणा में आयोजित TRANSCON–2025, 50वें वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन की सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

एनआईबी ने आईएसबीटीआई के सहयोग से हीमोविजिलेंस पर एक समर्पित सत्र का आयोजन किया, जिसमें एचवीपीआई की प्रमुख को संकाय सदस्य (Faculty Member) के रूप में आमंत्रित किया गया। उन्होंने 21 सितम्बर 2025 को "हीमोविजिलेंस प्रोग्राम ऑफ इंडिया (एचवीपीआई) – एक अवलोकन एवं अद्यतन जानकारी" विषय पर प्रस्तुति दी।







- प्रमुख एचवीपीआई को इंडियन सोसाइटी ऑफ ट्रांसफ्यूजन मेडिसिन (आईएसटीएम) के 13वें वार्षिक राष्ट्रीय TRANSMEDCON 2025 में अतिथि संकाय सदस्य (Guest Faculty) के रूप में आमंत्रित किया गया। यह सम्मेलन 28 से 30 नवम्बर 2025 तक जयपुर, राजस्थान में आयोजित किया गया। प्रमुख एचवीपीआई ने 30 नवम्बर 2025 को "पिछले एक दशक में भारतीय हीमोविजिलेंस कार्यक्रम के माध्यम से हमने क्या उपलब्धियाँ हासिल की हैं" विषय पर प्रस्तुति दी।



एनआईबी, नोएडा में 'स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार अभियान' – एक राष्ट्रव्यापी भारतीय स्वास्थ्य अभियान – का आयोजन किया गया एवं इसे उत्सव के रूप में मनाया गया।

- 'स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार अभियान' जो 17 सितम्बर से 02 अक्टूबर 2025 तक महिलाओं के स्वास्थ्य में सुधार के माध्यम से परिवारों को सशक्त बनाने एवं राष्ट्र को मजबूत करने पर केंद्रित एक राष्ट्रव्यापी भारतीय स्वास्थ्य अभियान के अंतर्गत एवं राष्ट्रीय स्वैच्छिक रक्तदान दिवस के अवसर पर, 01 अक्टूबर 2025 को एनआईबी, नोएडा परिसर में राष्ट्रीय जैविक संस्थान (एनआईबी), नोएडा के हीमोविजिलेंस प्रभाग एवं पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ चाइल्ड हेल्थ (PGICH), सेक्टर–30, नोएडा द्वारा संयुक्त रूप से एक स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया।
- इस रक्तदान शिविर में कुल 33 रक्तदाताओं ने रक्तदान किया, जिनमें 05 महिला रक्तदाता शामिल थीं।















भारतीय हीमोविजिलेंस कार्यक्रम (एचवीपीआई) के अंतर्गत नव नामांकित सदस्य (58)

आंध्र प्रदेश

1. रक्त केंद्र, न्यू गवर्नमेंट जनरल हॉस्पिटल, एसएमसी परिसर, विजयवाड़ा

असम

1. रक्त केंद्र, तेजपुर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल, सोनितपुर
2. रक्त केंद्र, धुबरी मेडिकल कॉलेज अस्पताल, धुबरी
3. जे.एस.बी. सिविल अस्पताल, चिरांग

बिहार

1. जीवक हार्ट हॉस्पिटल एवं अनुसंधान संस्थान, पटना
2. मेडिवर्सल रक्त केंद्र, मेडिवर्सल मल्टी सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल, पटना

छत्तीसगढ़

1. एकता रक्त केंद्र एवं रक्त अवयव इकाई, बिलासपुर

गुजरात

1. लायंस क्लब ऑफ बड़ौदा रक्त केंद्र, वडोदरा
2. लाइफ लाइन रक्त केंद्र, जूनागढ़
3. भूमि स्वैच्छिक रक्त केंद्र, पालनपुर

हरियाणा

1. पुष्पांजलि अस्पताल रक्त केंद्र, रेवाड़ी
2. यथार्थ सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल (प्रिस्टीन इन्फ्राकॉन प्राइवेट लिमिटेड की एक इकाई), फरीदाबाद
3. वर्ल्ड कॉलेज ऑफ मेडिकल साइंस अनुसंधान एवं अस्पताल (रक्त केंद्र), झज्जर
4. फोर्टिस अस्पताल, मानेसर, गुरुग्राम
5. पवन अस्पताल रक्त केंद्र, फरीदाबाद

जम्मू एवं कश्मीर

1. अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), विजयपुर, जम्मू, जिला सांबा

झारखंड

1. ऑर्किड रक्त केंद्र, रांची

कर्नाटक

1. एस.डी.एम. कॉलेज ऑफ मेडिकल साइंसेज एवं अस्पताल रक्त केंद्र, सत्तूर, धारवाड़
2. पी.ई.एस. विश्वविद्यालय चिकित्सा विज्ञान एवं अनुसंधान संस्थान रक्त केंद्र, बेंगलुरु
3. वैदेही सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल, बेंगलुरु
4. मणिपाल अस्पताल सरजापुर रक्त केंद्र, अंबालिपुरा
5. राष्ट्रोत्थान रक्त केंद्र, बेंगलुरु

केरल

1. नडक्काविल अस्पताल रक्त केंद्र, मलप्पुरम
2. जुबिली मेमोरियल अस्पताल रक्त केंद्र, तिरुवनंतपुरम
3. वेलकेयर अस्पताल, एर्नाकुलम
4. एस.पी. मेडीफोर्ट अस्पताल (एस.पी. हाईटेक वेंचर्स), तिरुवनंतपुरम
5. एस.के. अस्पताल, तिरुवनंतपुरम (जिला)
6. एल.एफ. अस्पताल रक्त केंद्र, अंगमाली
7. त्रिक्काकरा नगर सहकारी अस्पताल रक्त केंद्र, एर्नाकुलम
8. रक्त केंद्र, तालुक मुख्यालय अस्पताल, ओट्टापालम, पलक्कड़

मध्य प्रदेश

1. एस.आर.वी.एस. मेडिकल कॉलेज, शिवपुरी

महाराष्ट्र

1. सरकारी मेडिकल कॉलेज, गोंदिया
2. होली फैमिली अस्पताल, बांद्रा (पश्चिम), मुंबई

नई दिल्ली

1. मैक्स सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल, द्वारका (मुथूट हॉस्पिटल प्राइवेट लिमिटेड की एक इकाई), द्वारका

ओडिशा

1. सम अल्टीमेट मेडिकेयर रक्त केंद्र, जिला खुर्दा

पंजाब

1. नॉलेज विला इंटीग्रेटेड एजुकेशन एंड वेलफेयर सोसायटी रक्त केंद्र, अमृतसर

राजस्थान

1. एस.के. सोनी रक्त केंद्र, जयपुर
2. आर्य रक्त केंद्र, आर्य मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल, जयपुर
3. बलवीर सिंह तोमर चिकित्सा विज्ञान, अनुसंधान एवं अस्पताल संस्थान, जयपुर
4. राजस्थान रक्त केंद्र, अजमेर
5. पोरवाल अस्पताल रक्त केंद्र, भीलवाड़ा

तमिलनाडु

1. वी.जी.एम. रक्त केंद्र, वी.जी.एम. फाउंडेशन ट्रस्ट, कोयंबटूर
2. मेसर्स ए.वी.एम. अस्पताल रक्त केंद्र (ए.वी.एम. एसोसिएट्स (प्रा.) लिमिटेड की एक इकाई), तूतीकोरिन
3. एम.जी.एम. हेल्थकेयर प्राइवेट लिमिटेड, रक्त केंद्र, चेन्नई
4. संजीवन स्वैच्छिक रक्त केंद्र, चेन्नई
5. अपोलो प्रोटॉन कैंसर केंद्र, चेन्नई
6. रक्त केंद्र, सरकारी मुख्यालय अस्पताल, तेनकासी, तिरुनेलवेली
7. तक्षशिला मेडिकल कॉलेज अस्पताल – रक्त केंद्र, विलुप्पुरम

तेलंगाना

1. आमोर जननी रक्त केंद्र, जिला मल्काजगिरि
2. वी.के.आर. ट्रस्ट रक्त केंद्र (रामदेवराव हॉस्पिटल्स की एक इकाई), मेडचलदृमलकाजगिरि
3. पेस अस्पताल रक्त केंद्र, हैदराबाद

उत्तर प्रदेश

1. फेलिक्स अस्पताल रक्त केंद्र, नोएडा, गौतम बुद्ध नगर
2. नारायण अस्पताल एवं ट्रॉमा सेंटर, रामपुर
3. कैलाशी सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल / रक्त केंद्र, मेरठ
4. मरियमपुर अस्पताल रक्त केंद्र, कानपुर

उत्तराखंड

1. मान्या चौरिटेबल रक्त केंद्र, देहरादून

पश्चिम बंगाल

1. निओटिया गेटवेल रक्त केंद्र (अंबुजा हेल्थकेयर वेंचर लिमिटेड की एक इकाई), सिलीगुड़ी
2. जगन्नाथ गुप्ता इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज एवं अस्पताल, रक्त केंद्र (उर्मिला देवी जगन्नाथ गुप्ता चौरिटेबल ट्रस्ट की एक इकाई), कोलकाता

प्रतिकूल रक्तदाता प्रतिक्रिया रिपोर्टिंग फॉर्म (एबीडीआरआरएफ संस्करण–2)

राष्ट्रीय जैविक संस्थान,
स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार

राष्ट्रीय ब्लड डोनर विजिलेंस कार्यक्रम

(भारतीय हीमोविजिलेंस कार्यक्रम)

प्रतिकूल रक्तदाता प्रतिक्रिया रिपोर्टिंग फॉर्म

संस्करण–2

क) रक्तदाता सूचना

रक्तदाता आईडी*_____ रक्तदाता का प्रकार*(क) होल ब्लड (ख) एफेरसिस_____(प्लेटलेट्स/प्लाज्मा/ प्लाज्मा +प्लेटलेट्स / आरबीसी / ग्रानुलोसाइट / पेरिफेरल ब्लड स्टेम सेल्स/ कोविड–19 कान्वलेसन्ट प्लाज्मा)

लिंग* ____(पुरुष/महिला/अन्य)

रक्तदाता का वज़न*कि.ग्रा.____ रक्तदाता की लंबाई*(सेमी)____ रक्तदाता प्रकार* क.स्वैच्छिक ख. रिप्लेसमेंट ग.फॅमिली डोनर घ. औटोलोगस (पहली बार/रिपीट)

आयु/जन्म तिथि* वर्ष ____ माह ____ दिन ___ और रक्तदान का स्थल*_____(रक्त केंद्र/कैंप)

प्रि-डोनेशन वाइट्ल्स* पल्स __ प्रति मि. बीपी (सीसटोलिक) ___ एमएमएचजी बीपी (डायस्टॉलिक)___ एमएमएचजी रक्तदान की तारीख* _____

रक्तदान का समय घंटे____ मिनिट___

ख) होल रक्त के संग्रहीत रक्त का विवरण / एफेरसिस के संग्रहीत रक्त का विवरण

क) होल ब्लड

रक्त बैग का लॉट न.* _____ संग्रहीत वॉल्यूम(एमएल)*_____

रक्त बैग का विनिर्माता*_____ (टेरूमो पेनपोल लि./मित्रा इंडस्ट्रीज़ प्रा.लि. /एचएलएल लाइफकेयर लि./ फ्रेसेनियस काबी /फेनवल आईएनसी/पोलिमेड/अन्य) रक्तबैग की एक्सपायरी डेट* _____

(ख) एफेरेसिस

लॉट न. किट*_____

संग्रहीत वॉल्यूम(एमएल)*_____ किट की एक्सपायरी डेट* _____

ग) प्रतिकूल प्रतिक्रिया विवरण

प्रतिक्रिया की तारीख व समय*____घंटे ___मिनट ___ प्रतिक्रिया का प्रकार*_____लोकलाइज्ड/जनरलाइज्ड/दोनों/ अदर रियेक्शंस

डाटा कैपचर्ड*(ऑनसाइट / दाता द्वारा फोन / रक्त केंद्र द्वारा फोन)

प्रतिक्रिया के समय वाटल्स पल्स __प्रति मिनट्स बीपी (सीसटोलिक) _ एमएमएचजी (सीसटोलिक) बीपी(डायस्टॉलिक)___ एमएमएचजी

प्रतिक्रिया समय*___(रक्तदान-पूर्व/रक्तदान के समय/रक्तदान के पश्चात)

प्रतिक्रिया का स्थल*_____(रक्तदान-स्थल/रक्तदान स्थल के बाहर)

वेनीपंक्चर स्थल*_____(बाँए/दाएं) इंजरी*_____(हाँ/नहीं)

वेनीपंक्चर*(1/2/>2) रक्तदान पूर्ण _____(हाँ/नहीं)

घ) कॉम्प्लिकेशन्स के प्रकार*

लोकलाइज्ड कॉम्प्लिकेशन्स*

ए 1- कॉम्प्लिकेशन्स मैनली करेक्टराइजेशन बाइ दि ओक्करेंस ऑफ ब्लड आउटसाइड दि वेस्सल्स

(क) ❑ हीमाटोमा (ब्रूस)

(ख) ❑ आर्टेरीयल पंक्चर

(ग) ❑ डिलेड(ब्लीडिंग/री-ब्लीडिंग)[ ](रक्तदान के 30 मि. में/रक्तदान के 30 मि. के बाद)

ए 2 - कॉम्प्लिकेशन्स मैनली करेक्टराइजड बाइ पेन

(क) ❑ नर्व इंजरी/इरिटेशन

(ख) ❑ अदर पेनफुल आर्म

ए 3 - लोकलाइज्ड इन्फ़ैकशन/इन्फ्लेमेशन अलोंग दि कोर्स ऑफ ए वेन

(क) ❑ थ्रोमबोफलेबीटिस

(ख) ❑ सेलुलाइटिस

ए 4-एलर्जि(लोकल):इचिंग एवं रेडनेस एट दि [ ] (वेनिपंक्चर साइट/मेडिकल अढ़ेसिव मेडिकेटिव टेप/स्किन डिसइन्फ़ैकशन एरिया)

ए 5 -अदर मेजर ब्लड वेसल इंजरी -सिरियस कंडिशन्स नीडिंग स्पेशलिस्ट मेडिकल डायग्नोसिस एंड एटेन्शन

(क) ❑ डीप वेनौस थ्रोंबोसिस (डीवीटी)

(ख) ❑ आर्टेरीओवेनस फिस्टुला

(ग) ❑ कंपार्ट्मेंट सिंड्रोम

(घ) ❑ बेक्रीयल आर्टेरी स्यूडोएन्यूरिज़्म

राष्ट्रीय जैविक संस्थान,
स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार

राष्ट्रीय ब्लड डोनर विजिलेंस कार्यक्रम

(भारतीय हीमोविजिलेंस कार्यक्रम)

प्रतिकूल रक्तदाता प्रतिक्रिया रिपोर्टिंग फॉर्म

संस्करण–2

जनरलाइज्ड कॉम्प्लिकेशन्स

बी 1 वेसोवेगल रिएक्शनस

(क) ❑ जनरलाइज्ड विक्नेस (ख) ❑ एंजाइटी (ग) ❑ डेज़ीनेस (घ) ❑ नौसिया
(च) ❑ वोमिटिंग (छ) ❑ पल्लोर (स्किन एवं लिप्स) (ज) ❑ रैपिड पल्स (झ) ❑ कोंवलसंस
(ट) ❑ कोल्ड एक्स्ट्रेमिटिएस (ठ) ❑ हाइपरवेंटीलेशन (ड) ❑ हाइपोटेंशन (ढ) ❑ लो वॉल पल्स
(त) ❑ फीलिंग ऑफ वार्म्थ (थ) ❑ टेटनी (द) ❑ लॉस ऑफ बोवेल और ब्लैडर कंट्रोल (ध) ❑ स्यानोंसिस
(न) ❑ चेतना समाप्त (एलओसी)[ ] (<60 सेकंड/ >60 सेकंड) (प) ❑ पसीना आना

बी 2 एलर्जिक रिएक्शन (जनरलाइज्ड)

(ख) ❑ स्यानोंसिस (ख) ❑ व्हीजिंग (ग) ❑ फ़्लशिंग, स्वेल्लिंग ऑफ आइज़, लिप्सऔर टंग
(घ) ❑ चेस्ट टाइटनेस (च) ❑ कार्डियक अरैस्ट

बी 3 अदर सिरियस कॉम्प्लिकेशन्स रिलेटेड टु ब्लड डोनेशन

(क) ❑ अकयूट कार्डियक स्यंमट्मस (अदर देन म्योंकार्डियल इंफर्कशन और कार्डियक अरैस्ट) (ख) ❑ म्योंकार्डियल इंफर्कशन(एमआई)
(ग) ❑ कार्डियक अरैस्ट (घ) ❑ ट्रांसिएंट इस्चमिक अटैक(टीआईए) (च) ❑ डैथ

एफेरेसिस कॉम्प्लिकेशन्स

सी - कॉम्प्लिकेशन्स रिलेटेड टु एफेरेसिस

(क) ❑ सिट्रेट रिएक्शन
❑ टिंगलिंग/वाइब्रेशन-लिप्स,फिंगर्स ❑ लाइट हेडेनेस ❑ मेटैलिक टेस्ट ❑ मसल ट्वीटचिंग ❑ कार्पोपेडल स्पास्म
❑ शॉक ❑ कार्डियक अरैस्ट ❑ टेटनी ❑ प्रोफालेटिक कैल्सियम गिवेन बिफोर रिएक्शन [ ] (हाँ/नहीं)
(ख) ❑ हीमोल्यसिस ड्यूरिंग प्रोसिडुयर
(ग) ❑ एयर एम्बोलिस्म
(घ) ❑ अनेबल टु रिटर्न रेड सेल (>200 एमएल)

अदर कॉम्प्लिकेशन्स

डी -अदर रिएक्शन प्लीज स्पेसिफाई_____

आउटकम* ❑ रिजोल्व्ड ऑन डोनेशन साइट ❑ रिजोल्व्ड ऑन फॉलो अप ❑ रिकवर्ड विथ सिकवल
❑ पर्मानेंटली डिसेबल्ड ❑ डैथ फॉलोइंग दि ऐडवर्स रिएक्शनस ❑ अन्नोन

इम्प्यूटेब्लिटी* ❑ डेफनिट (सरटेन) ❑ प्रोब्बल (लाइकली) ❑ पोसेबल
❑ अन्लाइकली (डाउटफुल) ❑ एक्सक्लूडेड

एनी अदर इन्फॉर्मेशन [ ]

रिपोर्टर ..... **डेट ऑफ रिपोर्ट** .....

डेनोमिनेटर डाटा अबाउट ऑल डोनर

टोटल डोनेशन इन दि मंथ (ऑफ रेपोर्टिंग)

❑ होल ब्लड [ ]

वॉल्यूम ऑफ डोनेशन (टोटल)* न. ऑफ 350 एमएल बेग्स [ ] न. ऑफ 450 बेग्स [ ]
❑ एफेरेसिस, इफ एफेरेसिस [ ] आरबीसी [ ] प्लेटलेट्स [ ] प्लाज्मा [ ]
प्लाज्मा + प्लेटलेट्स [ ] ग्रानुलोसाइट [ ] पेरिफेरल ब्लड स्टेम [ ]
कोविड–19 कान्वलेसन्ट प्लाज्मा [ ] सेल्स

जेंडर ऑफ डोनर (टोटल)* पुरुष [ ] महिला [ ] अन्य [ ]

टाइप ऑफ डोनेशन (टोटल)* वोल्नटरी [ ] रिप्लेसमेंट [ ] फॅमिली डोनर [ ] औटोलोगस [ ]

डोनर टाइप (टोटल)* फ़र्स्ट टाइम डोनर्स [ ] रिपीट डोनर्स [ ]

साइट ऑफ डोनेशन (टोटल)* ब्लड सेंटर [ ] कैंप [ ]

रक्त और रक्त उत्पादों के लिए आधान प्रतिक्रिया रिपोर्टिंग फॉर्म (संस्करण–2)

सत्यमेव जयते

राष्ट्रीय जैविक संस्थान

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार

(राष्ट्रीय कोर्डिनेटिंग सेंटर)

भारतीय हीमोविजिलेंस कार्यक्रम

ब्लड एंड ब्लड कम्पोनेंट्स एंड प्लाज्मा प्रोडक्टस ट्रान्स्फ्यूजन रिएक्शन रिपोर्टिंग फॉर्म (टीआरआरएफ़)

*मैंडटरी फील्ड

(क) पेशंट इन्फॉर्मेशन*

हस्पताल कोड न.

पेशेंट इनिसियल्स*	जेंडर*	ब्लड ग्रुप*

हस्पताल एडमिशन न.*	एज/डेट ऑफ बर्थ*	ईयर्स.....	मंथ.....	डेज़.....	अवर्स.....	मि.....

प्राइमरी डायगनोसिस*

मेडिकल हिस्टरी

(ख) ट्रान्स्फ्यूजन रिएक्शन डिटेल्स*

वोज दि पेशंट अंडर एनिस्थिसिया इ्यूरिंग ट्रान्स्फ्यूजन : यस / नो, इफ यस टाइप : जीए / स्पाइनल / एलए

	टेम.	पल्स	बीपी	आरआर	एसपीओटू
प्रि- ट्रान्स्फ्यूजन वाईटल्स					
वाईटल्स एट दि टाइम ऑफ रिएक्शन	टेम.	पल्स	बीपी	आरआर	एसपीओटू
प्लीज टिक मार्क दि रेलेवेंट एंड सिम्ट्म्न्स लिस्टेड बिलो					

जनरलाइज्ड		पेन	रेसपिरेट्री	रिनल	सिरकुलेटरी
☐ फीवर	☐ एंजाइटी	☐ चेस्ट पेन	☐ डिस्पनिया	☐ हामॉचूरिया	☐ ट्रेकीकार्डीया
☐ चिल्ल्स	☐ इचिंग(प्ररिटस)	☐ एबड़ोमिनल	☐ व्हीज	☐ हीमोग्लोबिन्यूरिया	☐ हाइपरटेंशन
☐ रिगर्स	☐ एडेमा(साइट)	☐ बॅक/फ्लांक पेन	☐ कफ	☐ ओलिगूरिया	☐ हायपोटेंशन
☐ नॉसिया	☐ जॉन्डिस	☐ इनफ़्यूजन साइट पैन	☐ हाइपोक्सिमिया	☐ अदर	☐ रेज्ड जेवीपी
☐ आर्टिकेरिया	☐ अदर	☐ अदर	☐ बाइलेटरल इनफिलट्रेट ऑन चेस्ट एक्स-रे		☐ अदर .....
☐ फ्लूशिंग					
☐ रेस्टलेसनेस					
☐ वोमिटिंग			☐ अदर		

एनी अदर (स्पेसिफ़ाई)

(सी) ट्रांसफ़्यूजन प्रॉडक्ट (स)डिटेल्स*

सलेक्ट*	सलेक्ट कंपोनेंट	सलेक्ट इंडिकेशन	डेट एंड टाइम ऑफ इशू ऑफ ब्लड कंपोनेंट	डेट एंड टाइम ऑफ ऑनसेट ट्रांसफ़्यूजन	यूनिट आइडी (ट्रांसफ़्यूजड)	ब्लड ग्रुप	वॉलयूम ट्रांसफ़्यूजड (एमएल)	एक्सपायरी डेट ऑफ ब्लड कंपोनेंट	मैनुफैकचर ऑफ ब्लड बैग	बैच/लॉट न. ऑफ दि ब्लड बैग	फ़र्स्ट टाइम / रिपीट ट्रांसफ़्यूजन
☐	सालाइन वॉशड रेड सेल्स										☐ फर्स्ट टाइम
☐	कोविड-19 कान्वलेसन्ट प्लाज्मा										
☐	होल ब्लड										☐ रिपीट 1 टु 10
☐	पैकड रेड ब्लड सेल्स (पीआरबीसी)										
☐	बफ़्फ़ी कोट डिप्लेटेड (पीआरबीसी)										☐ रिपीट >10
☐	ल्यूकोफिलटर्ड पीआरबीसी										
☐	रेंडम डोनर प्लेटलेट्स/पूल्ड										
☐	अफेरेसिस प्लेटलेट्स										
☐	फ्रेश फ्रोजन प्लाज्मा										
☐	क्रायोपरिसीपीटेट										
☐	एनी अदर										

ऍड न्यू प्लाज्मा प्रॉडक्ट

सलेक्ट	प्लाज्मा प्रॉडक्ट	इंडिकेशन	डेट ऑफ एडमिनिट्रेशन	मैनुफैक्चर	एक्सपाइरी डेट ऑफ प्लाज्मा प्रॉडक्ट	बैच न. /लॉट न.	फ़र्स्ट टाइम /रिपीट
							☐ फ़र्स्ट टाइम ☐ रिपीट वन टु टेन ☐ रिपीट >10

(डी) इनवेस्टिगेशनस

☐	क्लेरिकल चेकस	स्पेसिफ़ाई ईरर फाउंड इफ एनी		
	इनवेस्टिगेशन	प्रि-ट्रांस्फ्यूज़न सैंपल		पोस्ट- ट्रांस्फ्यूज़न सैंपल
☐	विज्वल चेक			
* ☐	रिपीट ब्लड ग्रूपिंग	O+/A+/B+/AB+/O-/B-/AB-/अदर्स/नॉट डन		O+/A+/B+/AB+/O-/B-/AB-/अदर्स/नॉट डन
* ☐	रिपीट क्रॉसमैच	☐ कॉम्पैटेबल ☐ इन कॉम्पैटेबल ☐ नॉट डन		☐ कॉम्पैटेबल ☐ इन कॉम्पैटेबल ☐ नॉट डन
* ☐	रिपीट एंटिबॉडी स्क्रीन	☐ नेगेटिव ☐ पॉज़िटिव ☐ नॉट डन		☐ नेगेटिव ☐ पॉज़िटिव ☐ नॉट डन
☐	एंटिबॉडी आइडेंटिफिकेशन			
* ☐	डाइरैक्ट एंटिग्लोबुलिन टेस्ट	☐ नेगेटिव ☐ पॉज़िटिव ☐ नॉट डन		☐ नेगेटिव ☐ पॉज़िटिव ☐ नॉट डन
☐	हीमोग्लोबिन			
☐	प्लाज्मा हीमोग्लोबिन			
☐	यूरिन हीमोग्लोबिन			
☐	बिलिरूबिन(टोटल/कौंजूगेटेड)			
☐	प्लटेलेट काउंट			
☐	पीटी/आईएनआर			
* ☐	ब्लड कल्चर ऑफ ब्लड बैग	☐ नेगेटिव ☐ पॉज़िटिव ☐ नॉट डन		स्पेसिफाइ ओर्गनिज़म इफ पॉज़िटिव
* ☐	ब्लड कल्चर ऑफ पेशंट	☐ नेगेटिव ☐ पॉज़िटिव ☐ नॉट डन स्पेसिफाइ ओर्गनिज़म इफ पॉज़िटिव.....		☐ नेगेटिव ☐ पॉज़िटिव ☐ नॉट डन स्पेसिफाइ ओर्गनिज़म इफ पॉज़िटिव.....
☐	चेस्ट एक्सरे ऑफ दि पेशंट इन केस ऑफ सस्पेक्टेड ट्राली			

इन केस ऑफ नॉन-हीमोलयसिस (व्हिच ऑफ दि फॉलोइंग वॉज दि केस ?)

☐	हीमोलयसिस ड्यू टु फ्रीजिंग ऑफ पीआरबीसी यूनिट्स	
☐	हीमोलयसिस ड्यू टु इनअप्पोप्रिएट वार्मिंग ऑफ पीआरबीसी यूनिट्स	
☐	हीमोलयसिस ड्यू टु इनफ्यूज़न ऑफ अदर फ्लुइड थ्रू सेम बीटी सेट	स्पेसिफाइ फ्लुइड .....
☐	मेकैनिकल डैमेज	

इन केस ऑफ एबीओ मिसमैच (विच ऑफ दि फॉलोइंग वाज दि केस ?)

☐	रोंग ब्लड इन ट्यूब
☐	ग्रूपिंग एरर
☐	लेबलिंग एरर
☐	रोंग यूनिटस ट्रानफ्यूज्ड

(ई) नेचर ऑफ ऍडवर्स रिएक्शन(स)*

सलेक्ट	रिएक्शन	डेट एंड टाइम ऑफ ओनसेट ऑफ रिएक्शन	डेट एंड टाइम ऑफ रिकवरी	आउटकम
☐	फिब्राइल नॉन हीमोलयसिस रिएक्शनस (एफ़एनएचटीआर) 1°डिग्री सेंटीग्रेड इन टेमपरेचर ☐ 2° डिग्री सेंटीग्रेड इन टेमपरेचर ☐ ओनली चिल्ल्स एंड रिगर्स ☐			☐ 1. डैथ फॉलोइंग दि ऍडवर्स रिएक्शन(स)
☐	अलर्जिक रिएक्शन			
☐	ऐनफ्लैक्सिस			
☐	इम्यूनोलोजिकल हीमोलयसिस ड्यू टु एबीओ इनकमटिबिलिटी			
☐	इम्यूनोलोजिकल हीमोलयसिस ड्यू टु अदर अल्लो एंटिबॉडीस			☐ 2. रिकवर्ड
☐	नॉन- इम्यूनोलोजिकल हीमोलयसिस			
☐	हाइपोटेंसिव ट्रानफ्यूजन रिएक्शन			
☐	ट्रानफ्यूजन रिलेटेड एक्यूट लंग इंजूरी (ट्राली) डेफनिट ☐ पोसिबल ☐			☐ 3. रिकवर्ड विथ सीक्वल
☐	ट्रानफ्यूजन एसोशिएटेड डिस्पवीअ(टीएडी)			
☐	ट्रानफ्यूजन एसोशिएटेड सरकुलेटरी ओवरलोड (टेको)			
☐	ट्रानफ्यूजन ट्रांसमिटेड बेक्टीरियल इन्फेक्शन			
☐	ट्रानफ्यूजन ट्रांसमिटेड बेक्टीरियल इन्फेक्शन (मलेरिया)			
☐	पोस्ट ट्रानफ्यूजन परप्यूरा			
☐	ट्रानफ्यूजन एसोशिएटेड ग्राफ्ट वर्सेस होस्ट डिजिज (टीएजीवीएचडी)			
☐	अदर रिएक्शन (स) ऍड न्यू			☐ 4. अंनोन

(एफ) इंप्यूटबिलिटी असेस्मन्ट*

सि. न.	रिएक्शन टर्म	ट्रांसफ्यूजन प्रॉडक्ट/कंपोनेंट	*इंप्यूटबिलिटी असेस्मन्ट (प्लीज मेंशन फ्रोम दि बिलो लिस्ट)

*इंप्यूटबिलिटी 1. डेफनिट(सर्टेन), 2. प्रोबेबल(लाइकलि), 3. पोबेबल, 4 .अनलाइकलि(डावुटफुल), 5. एक्सक्लुडेड, 6. नॉटअसेसड़

मंथलि डेनोमिनेटर रेपोर्टिंग फॉर्म*

हॉस्पिटल कोड	मंथ/इयर
ब्लड कंपोनेंट	**न. ऑफ यूनिटस इशूड**
1) सालाइन वॉशड रेड सेल्स	
2) कोविड-19 कान्वलेसन्ट प्लाज्मा	
3) फ्रेश फ्रोजन प्लाज्मा	
4) होल ब्लड	
5) पैक्ट रेड ब्लड सेल्स (पीआरबीसी)	
6) बफी कोट डेपलेटेड पीआरबीसी	
7) ल्यूकोफिलटरड पीआरबीसी	
8) रैनडम डोनर प्लेटलेट्स/पूलड	
9) एफेरेसिस प्लेटलेट्स	
10) क्रयोपरीसीपीटेट	
11) एनी अदर	

एचवीपीआई के तहत अपने केंद्र का नामांकन कैसे कराएं

कौन नामांकन करा सकता है?

ट्रांसफ्यूजन मेडिसिन विभाग/ब्लड सेंटर के प्रमुख/प्रभारी

कैसे पंजीकृत कराएं ?

1) ट्रांसफ्यूजन मैडिसिन विभाग/रक्त केन्द्र के प्रमुख/प्रभारी राष्ट्रीय समन्वय केंद्र (एनसीसी) – भारतीय हीमोविजिलेंस कार्यक्रम (एचवीपीआई) को आवश्यक विवरण देते हुए नामांकन फॉर्म को विधिवत रूप से भरकर या हो एनसीसी, राष्ट्रीय जैविक संस्थान, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, प्लॉट नंबर ए –32, सेक्टर –62, इंस्टीट्यूशनल एरिया, नोएडा – 201 309 (यूपी) को डाक द्वारा भेजे अथवा एनसीसी को ई–मेल haemovigilance@nib.gov.in के माध्यम से भेजें।

2) एनसीसी केंद्र द्वारा प्रदान किए गए विवरणों का सत्यापन करता है।

3) सत्यापन के बाद, एनसीसी (क) हीमो–विजिल सॉफ्टवेयर (ख) डोनर–विजिल सॉफ्टवेयर को उपयोग करने के लिए ट्रांसफ्यूजन मेडिसिन विभाग/ब्लड सेंटर के प्रमुख/प्रभारी को उपयोगकर्ता आईडी और पासवर्ड जारी करता है ताकि वे एनसीसी को ट्रांसफ्यूजन प्रतिक्रिया रिपोर्ट और प्रतिकूल रक्त दाता प्रतिक्रिया रिपोर्ट प्रस्तुत कर सके।

नामांकन फॉर्म http://nib.gov.in/Annexure7.pdf से डाउनलोड करें.

रिपोर्ट कैसे करें?

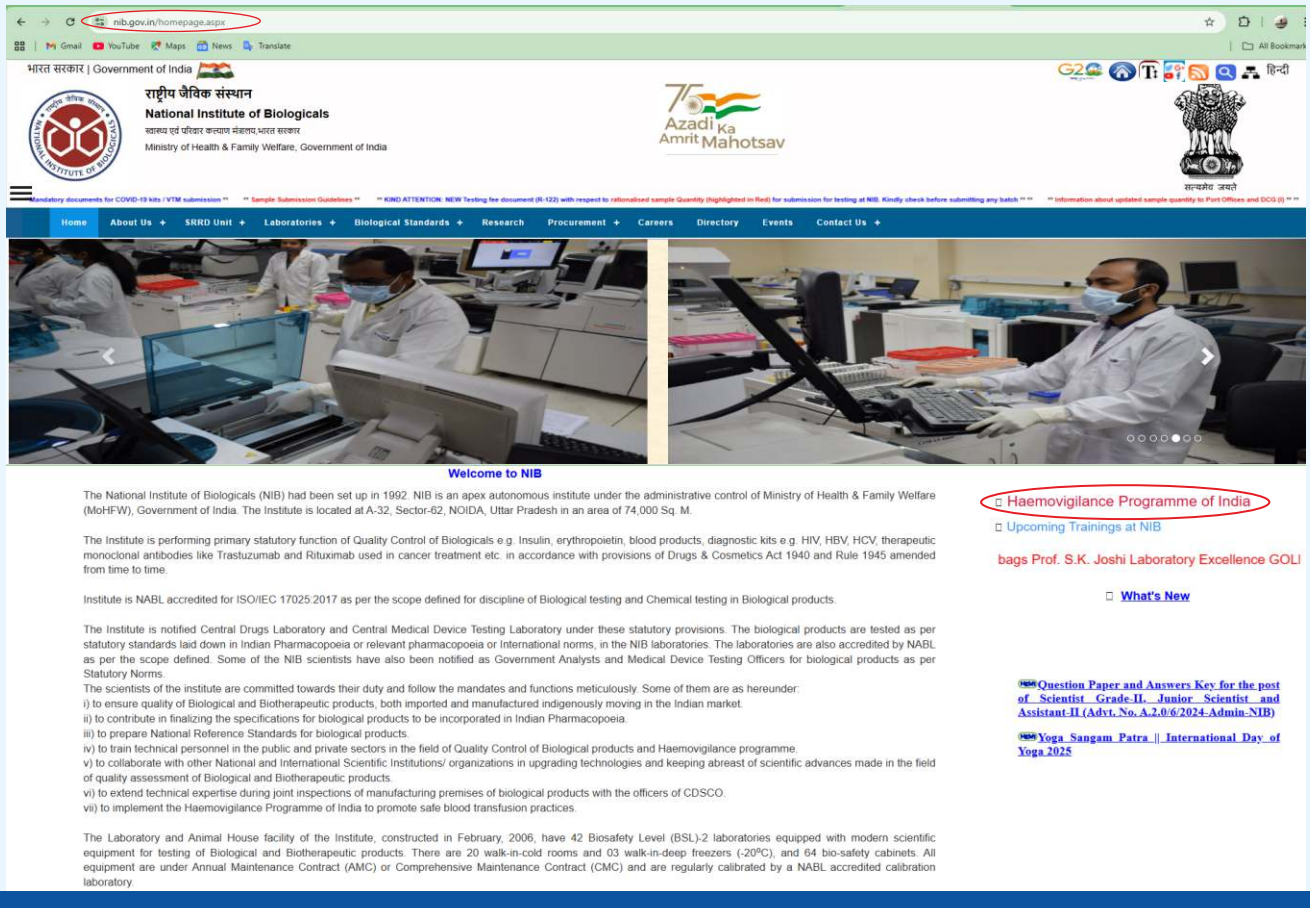
प्रतिकूल ट्रांसफ्यूजन प्रतिक्रियाओं की रिपोर्टिंग हीमो–विजिल सॉफ्टवेयर के माध्यम से तथा दान किए गए रक्त में प्रतिकूल रक्तदाता प्रतिक्रियाएं की रिपोर्टिंग डोनर–विजिल सॉफ्टवेयर के माध्यम से की जाए।

क) एचवीपीआई के तहत नामांकित केन्द्रो को एनसीसी–एचवीपीआई, एनआईबी से विशिष्ट यूजर आईडी और पासवर्ड मिलता है।

ख) दोनों साफ्टवेयर अर्थात हीमो–विजिल एवं डोनर–विजिल के लिए उपयोगकर्ता आईडी और पासवर्ड दोनों सॉफ्टवेयरों के किए समान है।

ग) इन सॉफ्टवेयरों का लिंक भारतीय हीमोविजिलेंस कार्यक्रम के टैब में एनआईबी वैबसाइट अर्थात www.nib.gov.in के माध्यम से उपलब्ध है।

घ) प्रतिकूल प्रतिक्रिया रिपोर्टों को एनसीसी– एचवीपीआई,एनआईबी के उपयुक्त सॉफ्टवेयर (रों) के माध्यम से अपलिंक किया जा सकता है और ऑनलाइन प्रस्तुत किया जा सकता है।





राष्ट्रीय जैविक संस्थान–राष्ट्रीय समन्वयक केंद्र – एचवीपीआई

आभार

एचवीपीआई समाचार– पत्रक के इस अंक के प्रकाशन में श्री आकाश चौधरी (तकनीकी सलाहकार), सुश्री संगीता यादव और श्री सुशांत पांचाल (डाटा एंट्री ऑपरेटर) हीमोविजिलेंस डिवीजन, एनआईबी द्वारा दिए गए योगदान के प्रति एनसीसी–एचवीपीआई आभार व्यक्त करता है।

राष्ट्रीय जैविक संस्थान,
स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय,भारत सरकार
ए–32, सैक्टर–62, एनएच–24, नोएडा – 201309,उत्तर प्रदेश
एनआईबी वैबसाइट http://nib.gov.in/
Email : haemovigilance@nib.gov.in
टेली 0120–2400072,0120–2593600

टोल फ्री नंबर
1800–180–2588 [सोम से शुक्र (सुबह 9:00 बजे से शाम 5:30 बजे तक)]

भारतीय हीमोविजिलेंस कार्यक्रम से संबंधित जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

भारतीय हीमोविजिलेंस कार्यक्रम से संबंधित किसी भी अन्य जानकारी/सुझाव/पूछताछ के लिए कृपया– डॉ. आकांक्षा बिष्ट, वैज्ञानिक ग्रेड–I और प्रमुख–हीमोविजिलेंस प्रोग्राम ऑफ इंडिया, एनआईबी, नोएडा से: haemovigilance@nib.gov.in पर संपर्क करें ।